## 

BY W. A. LEE AND HUGH WILSON
abbevillie, s. C., Friday, aprili 17, 1868



| OF NEWSPAPERS cilldren. |  |
| :---: | :---: |
|  |  |
|  |  |
| protession, and had wMeliod closely |  |
| ${ }_{\text {damil }}$ |  |
|  |  |
| tion |  |
|  |  |
| $\begin{aligned} & \text { prapersis } \\ & \text { Luvo } \end{aligned}$ |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| aro |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| do them $f$ |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| tho text, and consequenty |  |
| Srito withecer comp |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| sion of | wrect celi ind. |
| - | pruning orchards |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| bors and friends; but they could never |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| was bis weakness. Ho easily lost |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| oxtinition bo hat |  |
| penitent and purposing an apology. |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| Eorgivo mos. 1 ltroly not why iti i |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  | Spris |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| him, and so judiciously was the inter. |  |
| viow conducted, that a happy issue |  |
|  |  |
|  |  |
|  | Gro |
| Lord ! I besococh thoo, help mo an | , |
| dear |  |
|  |  |
|  |  |
| ${ }_{\text {as }}$ In C |  |
| the Gr |  |
| bricant are to bo found there, and |  |
|  |  |
|  |  |
|  | Las done no pood, and some lom |
| there bas proved |  |
|  |  |
| jaub, hase prepared handrod woights |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| Tho groze thes oblusined |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

